प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा, लाल किले पर
दिया गया भाषण तारीख 15.8.1985

देशवासियो, आज भारत की 38 वीं वर्षगांठ है, मैं भारत के हर नागरिक को शुभ कामनाएं देना चाहता हूं। हर गांव में, हर शहर में; हमारे किसान हमारे मजदूर, हमारी माताएं और बहनें भारत के मर्द भारत के बच्चों को, भारत की फौज को और हर हिन्दुस्तानी को, जो विदेश रह रहे हैं। 38 साल हुए, इसी लाल किले से पण्डित जी ने पहली बार तिरंगा झण्डा लहराया था। आज इन्दिरा जी को यहां होना था लेकिन हमारे हाथ से वो छिन्न गई, आपने मुझे यह जिम्मेवारी दी है। मैंने आज़ादी की लड़ाई नहीं देखी, मैं बहुत छोटा था। तीन साल का भी नहीं था, जब पहली बार यहां झण्डा लहराया गया था। और आज भारत के दो तिहाई निवासी मेरे जैसे हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं देखी। एक दूसरी पीढ़ी आगे आई, जैसे हिमालय, जैसे गंगा, जैसे डैकन, अजन्ता, ताजमहल, महाबलीपुरम भारत की कलाओं में, भारत की दार्शनिक खोज में, भारत के विज्ञान शास्त्रों में, भारत की आतमिकता में वैसे ही आजादी की लड़ाई में हमारे विरासत। आज किसका दिल गौरव से नहीं भरता। जब हम बुद्ध का, कबीर का, नानक का गांधी जी का सोचते हैं। उनकी कुरबानियां हमारे स्वतन्त्रता सेनानियों की कुरबानीयां जो नया रास्ता हमने आजादी की लड़ाई में लिया सत्य का अहिंसा का। जब हम इन बातों को सोचते हैं तो हम गौरव से भर जाते हैं। पिछले 38 साल में हमने बहुत तरक्की करी। इन सालों में हमने करीब करीब शतप्रतिशत जनता को गरीबी रेखा से ऊपर उठा दिया। इन सालों में एक नया मध्यम वर्ग भारत में पैदा हुआ। अनाज़ में हम आत्मनिर्भर हुए हैं। हमारा विज्ञान, हमारी टैक्नोलोजी, हमारी स्वाधीन विदेश नीती, हमारा लोकतन्त्र हमारी आजादी और हमारी धर्म निरपेक्षता। यह सब बातें इस तरह से हम बना पाये हैं बड़ा पाये हैं कि पूरी दुनिया आश्चर्य से देखती है कि भू= एक विकास-शील देश कैसे यह बातें कर पाया है और यह हमने किया है। तीन-चार बड़े युद्धों का मुकाबला करके, हमने किया है। भारत की एकता और अखण्डता बचाकर, हम कर पाये हैं। क्योंकि गांधी जी ने, पण्डित जी ने, इन्दिरा जी ने हमें ठीक रास्ते पर रखा। लेकिन यह रास्ता अभी भी बहुत लम्बा है

...2..

बहुत कठिन है । यह रास्ता गरीबी के ऊपर है, लड़ाई करने का । देश से गरीबी हटाने का रास्ता । यह ही एक रास्ता हम चल सकते हैं । हमारी पूरी शक्ति भारत से गरीबी हटाने में लगनी है । कैसे हुआ, कि भारत यह कर पाये कि दूसरे विकासशील देश रास्ते में टूट कर गिर गये । अपनी मुश्किलों में बंध गए । हम कर पाये, क्योंकि हमने गरीबी हटाने के लिए विज्ञान और टैक्नोलोजी लगाई । हमने देखा कि विज्ञान, टैक्नोलोजी ठीक जगह लगी । कुछ ठीक तरह से लगी । पण्डित जी ने यह शुरू किया । बड़े-बड़े बांध बनाकर, लोहे की मिल बनाकर, बड़े-बड़े कारखाने बनाकर विज्ञान को ऊपर उठाकर । उन्होंने अपना निशाना भारत के गरीबों पर, भारत के किसानों पर रखा था । विज्ञान से और टैक्नोलोजी से हमारे किसान अपना अपनी पैदावार बढ़ा पाया है । हमने देखा कि जो नींव पण्डित जी ने रखा था उसपर, हमारे किसानों ने, हमारे अनाज को तिगुना किया । आज इसीलिए हमारी आजादी बची, इसीलिए हम गौरव से सीधे खड़े होकर दुनिया का मुकाबला कर पाते हैं । इन्दिरा जी ने और भी जोर लगाया गरीबी हटाने में । पिछले पांच साल में उन्होंने 49% से करीब-करीब 63% तक भारत की जनता को गरीबी रेखा से ऊपर कर दिया । पिछले हफ्तों में मैं भारत के कोने कोने घूमा, मैं हमारे आदीवासी जिलों में गया हूं, उनके गांवों में गया । हरिजन की झोपड़ियों में गया । पहाड़ों से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान में हमारे गरीबों की समस्या समझने के लिए । शहर में मैंने झुग्गी देखी । देखने के लिए कि किस तरह से हम हमारे कार्यक्रम और बढ़िया बना सकते हैं । कैसे हम सरकार का काम और कामयाब करें । जिसमें भारत की गरीब जनता को पूरा फायदा इससे मिल सके । रास्ता वही है पण्डित जी का रास्ता है । विज्ञान और टैक्नोलोजी गरीब गरीब के घर तक पहुंचाने के लिए । हम देख रहे हैं कि कैसे हो सकता है और किस तरह का विज्ञान हो किस तरह की टैक्नोलोजी हो जो भारत के गरीबों को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचा सकती है । एक मिसाल के तौर से राजस्थान के रेगिस्तान में जहां पानी का नाम निशान नहीं है । जब हम हमारे उपग्रह से तस्वीर लेते हैं तो हम जमीन के नीचे देख सकते हैं, कि पानी कहां पर है । जब हम किसानों को बीज देते हैं तो हम नया बीज दें जिससे ज्यादा पैदावार हो । हम देखें कि बिजली, पानी, दूसरी नयी-नयी तरकीबें किसानों तक, मजदूरों तक पहुंचे जिसमें वो अपना उत्पादन बढ़ा सकें ।

जिसमें भारत को और मजबूत कर सकें । भारत तब आगे बढ़ेगा जब भारत का देहात आगे बढ़ेगा । हमारी पूरी शक्ति लगेगी । भारत के देहात को ऊपर उठाने के लिए । हमें देखना है कि भारत के अलग हिस्सों में विकास में जो फर्क आ गया है वो दूर हो । हमें देखना है कि भारत का हर प्रान्त बराबर तेज़ी से आगे बढ़े । हम देखेंगे कि हरिजन आदीवासी भारत की महिलाएं भारत के युवक भारत के अल्पसंख्यक भारत के सब नागरिक पूरा मौका उठा सके अपनी शक्ति देश को आगे बढ़ाने में, लगाने में, अपना काम पूरा करने में । यह ही करने के लिए हमने सातवीं योजना बनाई । खाली आर्थिक विकास के लिए नहीं बल्कि भारत के समाज को आगे बढ़ाने के लिए, मजबूत करने के लिए । कुछ ही दिनों में झाका ढांचा आपके सामने आयेगा । हमारी उम्मीद है कि इस योजना से भारत बहुत तरक्की करेगा । जितनी तरक्की आज तक भारत ने नहीं करी । उतनी तरक्की हम कोशिश कर रहे हैं इन सात साल में करने में । हमारे असूल नहीं बदले । जो रास्ता गांधी जी ने, पण्डित जी ने दिखाया । उसी रास्ते पर हम देश के कोने-कोने में विकास पहुंचाना चाहते हैं । गांधी जी ने स्वदेशी की बात करी । 38 साल हुए, जब भारत में एक सूई नहीं बनती थी तब स्वदेशी खादी होता था। पण्डित जी ने साईंस, टैक्नोलोजी का रास्ता दिखाया । भारत आगे बढ़ा । आज जब हम स्वदेशी की बात करते हैं तो खाली खादी की बात नहीं होती । आज जब हम स्वदेशी की बात करते हैं तो हम स्वदेशी उपग्रह की बात करते हैं । हम स्वदेशी कम्प्यूटर की बात करते हैं । हम स्वदेशी रोमान शक्ति के ऊर्जा घर की बात करते हैं । स्वदेशी के माने कितने बदल गए हैं, पिछले 38 सालों में । इससे दिखता है कि भारत ने कितनी तरक्की करी । यह ही हमारा गौरव है । लेकिन चाहे हम कितनी तरक्की करें, कितनी भी आर्थिक तरक्की करें, अगर हम हमारी विरासत खो जाए । अगर हम हमारी पुरानी परम्परा खो जाएं । हमारी संस्कृति भूल जाएं । हमारी सभ्यता खो जाए तो मैं समझूंगा कि कोई भी विकास नहीं हुआ । हमें देखना है कि आर्थिक विकास किस्सा भारत के चरित्र में उतना ही विकास उतनी ही शक्ति आई । और यह करने के लिए हम देख रहे हैं कि एक नया शिक्षा का ढांचा इसी महीने हम आपके सामने रखें । हमारी उम्मीद है इससे एक नयी जागृति आयेगी हमारे कोने-कोने

...4..

गांव-गांव में एक नयी रफ्तार से भारत आगे बढ़ने लगेगा । हमें देखना है कि भारत के कोने-कोने में मानवीय विकास पूरी तरह से हो । यह करने के लिए हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां आई लेकिन शायद सबसे बड़ी चुनौती हमारे आपस के झगड़े हैं चाहे धर्म, चाहे जात , चाहे प्रान्तवाद या भाषावाद पर हो । हमें देखना है कि यह झगड़े बनकर उग्रता पर नहीं पहुंच जायें । हमें देखना है कि यह झगड़े हमारे लोकतन्त्र की जड़ को कमजोर नहीं करे । ऐसे झगड़े भारत को कमजोर करते हैं । भारत के विकास को धीमें करते हैं । पिछले सालों में बहुत लोगों ने ऐसे झगड़ों में उग्रवाद में अपनी जान दी । ऐसे ही 38 साल हुए गांधी जी ने दी थी ऐसे ही दस महीने हुए इन्दिरा जी ने दी । आज हमें साम्प्रदायक झगड़े खत्म कर देने, साम्प्रदायक झगड़ों में देश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ । खाली गांधी जी इन्दिरा जी ने नहीं बल्कि हर व्यक्ति ने । लेकिन जब कोई बड़ा नेता गिरता है । जैसे गांधी जी, इन्दिरा जी । सब दुनिया के कोने-कोने में उसका असर होता है । इन्दिरा जी खाली भारत की नेता नहीं, पूरी दुनिया मान रही थी कि इन्दिरा जी दुनियां के गरीबों की नेता थीं । बहुत कम नेता हुए जो इस तरह से पूरी दुनिया में अपना नाम बना पाये हैं । आज पूरे देश को निश्चय करके इन झगड़ों को खत्म करना है । उग्रवाद के खिलाफ अपनी आवाज़ उठानी है । हमें देखना है कि हमारी पूरी शक्ति एक साथ जैसे भाई-भाई रहने में लगे । 41 हफ्ते हुए आपने मुझे यह जिम्मेवारी दी । पिछले 41 हफ्तों में हमने कई चीजें करी हैं हमारे वायदे पूरे करने के लिए। सबसे बड़ी चुनौती हमारे सामने भारत की एकता और अखण्डता की है । दस महीने हुए दुनिया देख रही थी भारत एक रहेगा कि भारत के टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे । आज यह प्रश्न उठता ही नहीं । आज दुनिया के सामने एक बहुत मजबूत, ताकतवर दिखाई देता है । हमारे सामने उग्रता की समस्या पंजाब में थी हमने कदम उठाये और कुछ हफ्ते हुए एक समझौता दस्तखत हुआ । हमारी उम्मीद है कि इससे पंजाब में दोबारा पूरी शान्ति आये भी । दोबारा पंजाब विकास के रास्ते पर तेज़ी से चलेगा । भारत में जो एक तनाव बन रहा था वो कम हुआ। भारत में अब तेज़ी से आगे बढ़ सकता है । एक दूसरी समस्या आसाम की थी। बहुत सालों से बातें चल रही थी लेकिन हल नहीं निकल रहा था । मुझे बहुत खुशी है । मैं आपको आज बता सकता हूं कि कल रात को बल्कि आज सुबह करीब पौने तीन बजे एक समझौता हुआ है आसाम के विद्यार्थियों और भारत सरकार

के बीच में । हमारी उम्मीद है कि इससे एक और तनाव कम होगा । इससे भारत और तेज़ी से विकास की तरफ ध्यान दे पायेगा । हमने आपको चुनाव में वायदा किया था कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी लड़ाई करेंगे । तीन कदम, दो कदम हमने उठाई हैं, तीसरी कदम हम उठाने जा रहे हैं । सबसे पहले हमने एन्टी-डिफेक्शन बिल बनाए हैं । बहुत सालों से बात चल रही थी । हमने समय जाया नहीं किया, लागू किया, पास किया । और आज एक बहुत बड़ी कमजोरी हमारे राजनीति से हट गई । दूसरा हमने राजनीतिक दलों में डोनेशन देने की इजाजत, इससे भी भ्रष्टाचार कम होगा अब हम तीसरी कदम उठाने जा रहे हैं, लोकपाल का बिल लाने में । हमारी उम्मीद है कि जल्दी से यह बिल आयेगा और एक और बड़ी शिकायत दूर होगी । हमने वायदा किया था गंगा को साफ करने के लिए । गंगा की पवित्रता भारत के हर दिल में बहुत गहराई से जाती है । लेकिन गंगा गंदी हो रही है । हम उसमें बहुत कूड़ा-कबाड़ डाल रहे थे । अब हम बहुत सख्ती से तेज़ी से कदम उठा रहे हैं गंगा को साफ करने के लिए । ऐसे ही भारत की बहुत सी बेकार जमीन है । हम उसमें पेड़ लगाने जा रहे हैं, करोड़ों की संख्या में । जिसमें हमारे गरीबों को जलाने के लिए लकड़ी मिले, जिसमें मावेशी को खाने के लिए चारा मिले । पिछले दिनों में हमने टैक्सटाइल की अपनी पोलीसी बदली है । हमारी कोशिश है कि इसको बदलने के भारत के बुनकरों को और फायदा मिलेगा और ताकत मिलेगी । उनका ज्यादा माल बिकेगा । हमने वायदा किया था कि हम देश के चारों तरफ शान्ति लाने के लिए कदम उठायेंगे । हमने श्रीलंका के साथ बात करी । आज भी भूटान में बात चल रही है । हमारी उम्मीद है कि जैसे हमने पंजाब में, आसाम में बात खत्म करी वैसे ही वो भी श्रीलंका में शान्ति ला पायेंगे । जिसमें दक्षिण का भी तनाव खत्म हो । हमारे लोग भी घबराना बन्द करें । भूटान के साथ, नेपाल के साथ, चीन के साथ हम और दोस्ती बनाना चाह रहे हैं । पाकिस्तान के साथ हमने बातें करी हैं, आगे बढ़े हैं लेकिन एक बात रास्ते में आती है उनका परमाणु-शक्ति का प्रोग्राम जो हमें लगता है कि एक बम बनाने के रास्ते पर चल रहा है । अगर पूरी दोस्ती होनी है, पूरा भरोसा होना है तब उन्हें इस कार्यक्रम पर दोबारा सोचना चाहिए । पिछले महीनों मैं विदेश गया, रूस गया, अमरीका गया और भारत को भारत का झण्डा और ऊंचा उठाई । आज भारत का हर नागरिक और सीधा हो के खड़ा हो सकता

है । दुनियां को आप में देख सकता है । भारत हर तरह से आजाद है , मजबूत है, कोई दबाव के नीचे नहीं आ सकता । एक दुनियां में आजादी की लड़ाई कांग्रेजी की आजादी की लड़ाईयों से शुरू हुआ । दुनिया में अफ्रीका एशिया के दूसरे मुल्कों में आजादी मिलने लगी जब कांग्रेस ने आजादी जीती थी । लेकिन जहां पे गांधी जी ने अपना पहला आन्दोलन किया था, दक्षिण अफ्रीका में । वहां आज भी जनता गुलाम है । वहां आज भी जनता दबी है । हमने हमारे दक्षिण अफ्रीकी भाईयों को बहनों को पूरा सहारा दिया है अपनी आजादी की लड़ाई लड़ने में । हम चाहेंगे कि दूसरे देश भी खासकर जो डिवेल्प देश हैं वो भी इसी तरह से उन्हें सहारा दें । देखें कि गुलामी और जिस तरह की गुलामी दक्षिण अफ्रीका में हो रही है खासकर वैसी गुलामी जल्दी से जल्दी खत्म हो । जितने हमारे वायदे हैं जितने काम हम करने जा रहें ,यह बेकार हो जाते हैं.अगर हम भारत की गरीबी नहीं हटा सकते । इसलिए हम खास ध्यान दे रहे हैं गरीबी हटाने के कार्यक्रमों पर । जहां पे कुछ कमजोरी दिख रही है हम उन कार्यक्रमों को बढ़ा रहे हैं, मजबूत कर रहे हैं । जहां पर और सहायता की जरूरत है हम और सहायता देने को तैयार हैं । इन्हीं दिनों में हम इन कार्यक्रमों को देख रहे हैं । कुछ दिन में आपके सामने ढांचे को थोड़ा बदल कर ऐसा बनाकर कि गरीबों को ज्यादा फायदा मिले । ऐसा बना के कि शासन पे कम पैसा लगे हम करने को तैयार हो रहे हैं । हमारी उम्मीद है आज 63% गरीबी रेखा से ऊपर उठ रहे हैं आते हुए सालों में । यह बहुत तेज़ी से बढ़ जायेगा और हम सचमुच में दुनियां को कह सकें कि भारत से गरीबी हर तरह से हट गई है । आज 15 अगस्त को भारत के हर नागरिक को वचन देना चाहिए कि वो अपना जीवन भारत को मजबूत करने में समर्पित करें । भारत के लिए । भारत के सिद्धांतों के लिए । हम साथ चले हाथ मिला कर चलें और ज्यादा तेजी से चले । हमारे लक्ष्य की तरफ और आगे बढ़े । मैं आपको दोबारा स्वतन्त्रता दिवस पर मुबारक देता हूं । मेरे साथ जोर से बोलिए-जय हिन्द-जय हिन्द-जय हिन्द-- धन्यवाद । राष्ट्रीय गान